ALLOCATION OF TIME FOR GOVERNMENT LEGISLATIVE AND OTHER BUSINESS

THE VIGE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) : I have to inform Members that the Business Advisory Committee, at its meeting he'd on Thursday, the 23rd August, 1990, allotted time for Government legislative and other business as follows :—

Business	*Time allotted*
1. Consideration and passing of the Representation of the People (Amendment) Bill, 1990..	4 hrs.
2. Consideration and passing/return of the following Bills, as passee by the Lok Sabha:	
(a) Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Bill, 1990	4 hrs.
(b) The Punjab Appropriation (No. 2) Bill, 1990	2 hrs.
(c) The Appropriation (No. 3) Bill, 1990..	1 hr.
(d) The Appropriation (Railways) No. 3 Bill, 1990 . . .	1 hr.
3. Statutory Resolution seeking disapproval of the Prevention of illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (Amendment) Ordinance, 1990	
4. Consideration and passing of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (Aroeneroent) Bill, 1990, as passed by the Lok Sabha.	2 hrs. (To be discussed together)
5. Statutory Resolution seeking disapproval of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities (Amendment) Ordinance, 1990.	
6. Cnnskioration and passing of the- Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities (Amendment) Bill, 1930, as passed	

STATEMENT BY MINISTER

EXTERNAL AFFAIRS MINISTER VISIT TO MOSCOW, WASHINGTON, AMMAN, BAGDAD AND KUWAIT IN THE CONTEXT OF GULF CRISIS—Cond.

श्री राम नरेश यादव : महोदय, माननीय मंत्री जी ने खाडी क्षेत्र में उत्पन्न संकट के संबंध में कई देशों का दौरा किया। और वहां से लौटने के पश्चात जो वक्तव्य दिया है, वैसे तो वह काफी लंबा-चौड़ा है लेकिन मैं एक बात जरूर कहना चाहता हूं कि अभी जब माननीय सदस्य श्री अब्दुल्ला अजामी बोल रहे थे तो उन्होंने कहा कि इस बयान के लिये सभी लोगों ने श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार को बधाई और धन्यवाद दिया है। मैं उनसे सहमत नहीं हूं क्योंकि एक बात स्पष्ट है कि जहां तक प्रधान मंत्री का प्रश्न है और इस सरकार के मुखिया का प्रश्न है, जो भारत निर्गुट आन्दोलन का प्रणेता रहा, आज श्री सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में या नई जनमोर्चा सरकार के समय में चाहे श्रीलंका का प्रश्न हो, चाहे पाकिस्तान का प्रश्न हो या पड़ोसी राष्ट्रों की कोई और समस्या हो, उनकी तरफ जिस तरह